सोमवार
04 सितम्बर 2023

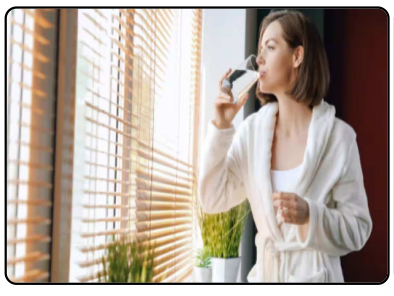

पृष्ठ 4

सुबह बिना ब्रश किए पानी पीना सही है?

पृष्ठ 5

जासूसी फिल्म में आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी शारवरी वाघ

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 207
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

अनुभवप्राप्ति के लिए काफी मूल्य चुकाना पड़ सकता है पर उससे जो शिक्षा मिलती है वह और कहीं नहीं मिलती।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बागेश्वर की बाजी किसके हाथ कल तय करेगी जनता जनार्दन

विशेष संवाददाता

देहरादून। कल बागेश्वर सीट के लिए होने वाले उपचुनाव की सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। कल सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक होने वाले मतदान के लिए आज सभी पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया जो शाम 5 बजे तक मतदान केंद्रो पर पहुंच जाएंगे। प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए भारी कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं।

उक्त आशय की जानकारी आज राज्य के मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि बागेश्वर विधानसभा सीट के लिए होने वाले उपचुनाव में कुल मतदाताओं की संख्या 1 लाख 18 हजार से अधिक है। जिसमें 60, 028 पुरुष व 58,88 महिला मतदाता है तथा 2008 डाक मतदाता है। उपचुनाव में कुल पांच प्रत्याशी चुनाव मैदान में है लेकिन मुख्य मुकाबला भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास जो स्व. पूर्व मंत्री चंदन रामदास की पत्नी है तथा कांग्रेस प्रत्याशी वसंत कुमार के बीच ही माना जा रहा है जबकि यूकेडी ने अर्जुन देव व सपा ने

❑तैयारियां पूर्ण, पोलिंग पार्टियां रवाना

भगवती प्रसाद को अपने अधिकृत प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में उतारा है। पूरे विधानसभा क्षेत्र को 3 जोन और 7 सब जोन में बांटा गया है। तथा 1444 पुलिस कर्मियों को ड्यूटी पर लगाया गया है। मतदान के लिए कुल 172 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी का कहना है कि मतदान शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए सभी पुख्ता तैयारियां की गई है किसी को भी कानून का उल्लंघन नहीं करने दिया जाएगा। कल होने वाले

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

ऑब्जर्वर पर आरोप संभावित हार की घबराहट: कांग्रेस

देहरादून। बागेश्वर का बाजीगर कौन है कल इसका फैसला जनता करने जा रही है। राज्य गठन से लेकर सिर्फ एक बार इस सीट पर जीत दर्ज करने में सफल होने वाली कांग्रेस ने इस उप चुनाव में जीत के लिए जिस तरह अपनी पूरी ताकत झोंकी है उसे यह तो साफ हो गया है कि पार्वती दास और बसंत कुमार के बीच मुकाबला अत्यंत ही रोचक होने वाला है तथा बहुत कम अंतर से जीत हार का फैसला होगा।

चुनाव के अंतिम चरण में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट द्वारा मुख्य निर्वाचन आयोग को खत लिखकर सेंट्रल के ऑब्जर्व पर जो कांग्रेस के एजेंट की तरह काम करने के आरोप लगाते हुए उन्हें बदलने की मांग की गई उसे कांग्रेस नेता मथुरा दत्त जोशी ने भाजपा की संभावी हार की बौखलाहट बताया है। उनका कहना है कि आब्जर्वर ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग रोका तो भाजपा बौखला गई है क्योंकि उसे अब पता चल चुका है कि उसकी हार होने जा रही है।

यूकेएसएसएससी भर्ती घोटाला

मास्टमाइंड हाकम सिंह सहित तीन लोगों को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

हमारे संवाददाता

दिल्ली/देहरादून। यूकेएसएसएससी भर्ती घोटाले के मास्टरमांइड हाकम सिंह सहित तीन लोगों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत दे दी गयी है। जज ए एस बोपन्ना और प्रशान्त कुमार मिश्रा ने बहस सुनने के बाद हाकम सिंह सहित तीन लोगों की जमानत मंजूर की है।

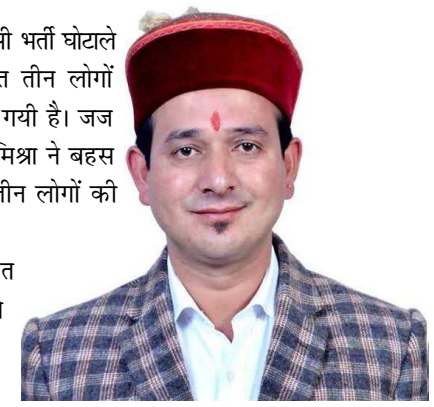

उत्तराखण्ड के बहु चर्चित यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले में एक साल से जेल में बंद उत्तरकाशी के हाकम सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गयी है। सुप्रीम कोर्ट के वकील ऋतुपर्ण उनियाल ने बताया कि हाकम सिंह के साथ विपिन बिहारी और शशिकांत को भी जमानत मिली है। एक साल से जेल में बंद यह तीनों अब बाहर आ जाएंगे। आज सुप्रीम कोर्ट में हुई बहस में राज्य सरकार ने जमानत का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि यह लोग केस को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। जबकि हाकम सिंह के वकील ने कहा कि ट्रायल में देरी हुई है और इन्हे एक साल तक जेल में रखा गया। लिहाजा इन्हे जमानत दी जाये। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाकम सिंह समेत तीन लोगों को जमानत दे दी।

बता दें कि बीते साल हाकम सिंह को थाईलैंड से लौटने के बाद उत्तरकाशी जिले से गिरफ्तार किया गया था। इस भर्ती घोटाले में एसटीएफ 80 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी थी। हाकम सिंह के कई बड़े नेताओं और अधिकारियों से करीब के रिश्ते रहे हैं। जो खुद भी भाजपा से जिला पंचायत सदस्य रह चुके है।

कुमाऊं रेजीमेंट के जवान की जम्मू में शहादत, शोक की लहर

हमारे संवाददाता

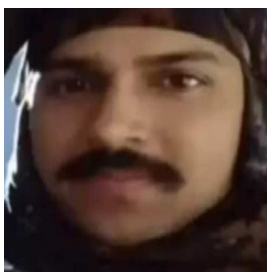

नैनीताल। जम्मू में तैनात कुमाऊं रेजीमेंट का एक जवान ड्यूटी के दौरान शहीद हो गया। जवान के शहीद होने की सूचना के बाद प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गयी। वही शहीद के स्वजनों में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार मुक्तेश्वर थाना क्षेत्र के मल्ला गहना सुपाकोट के रहने वाले 27 वर्षीय दीपक पांडे कुमाऊं रेजीमेंट के बंगाल इंजीनियरिंग में तैनात थे। शनिवार रात जम्मू सेना हेडक्वार्टर से परिवार वालों को दीपक पांडे के शहीद होने की सूचना मिली। शहीद जवान दीपक पांडे के चाचा चंद्रशेखर पांडे ने बताया कि दीपक पांडे 2017 में कुमाऊं रेजीमेंट के बंगाल इंजीनियरिंग में भर्ती हुए थे। जहाँ वह इलेक्ट्रीशियन के पद पर तैनात थे। वर्तमान में उनकी तैनाती जम्मू के उधमपुर में थी। शहीद दीपक पांडे के परिवार में माता-पिता के अलावा उनकी एक छोटी बहन और एक बड़ा भाई है। इस दुखद खबर के बाद शहीद के स्वजनों में कोहराम मचा हुआ है। गांव में मातम पसरा है। शहीद दीपक पांडे के पार्थिव शरीर को सेना द्वारा आज पहुंचाने की उम्मीद है।

सुरक्षाबलों ने दो खूंखार आतंकियों को गिरफ्तार किया

जम्मू। जम्मू और कश्मीर में आज सुरक्षाबलों के हाथ बड़ी सफलता लगी है। यहां बारामूला में सुरक्षाबलों ने दो खूंखार आतंकियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आतंकियों के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से ताल्लुक हैं। जानकारी के अनुसार सुरक्षाबलों को क्षेत्र में कुछ आर्तोकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद उन्होंने पूरे इलाके की नाकाबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर हमला करना चाहा लेकिन जवानों ने आतंकवादियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। आतंकवादियों ने इस दौरान दो आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े

हैं और देश में एक दिल दहलाने वाली घटना को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बारामूला पुलिस ने 3 सितंबर को लश्कर के दो आर्तोकियों को गिरफ्तार किया, दोनों शीरी बारामूला के निवासी थे। उनके पास से मैगजीन के साथ एक चीनी पिस्तौल और एक ग्रेनेड बरामद किया है। उन्होंने आगे खुलासा किया कि वे लगातार लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर के संपर्क में थे और सारी जानकारी उन्हें देते थे। सुरक्षा बलों पर हमले और टारगेट किलिंग को अंजाम देने के बाद वे आतंकवादी के रूप में सक्रिय होने वाले थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

एक देश एक चुनाव की कवायत क्यों?

जी हां! यही है नए दौर का नया भारत जहां अब सब कुछ संभव है। इसे भाजपा नेताओं की भाषा में आप यूं भी कह सकते हैं कि मोदी है तो मुमकिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले इस नए दौर के भारत में भले ही कुछ मुमकिन हुआ हो या न हुआ हो लेकिन देश की राजनीति का चाल-चरित्र और चेहरा जरूर बदल गया है। इसका एक बेहतरीन उदाहरण हमें बीते 15 अगस्त को लाल किले के प्राचीर से प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के दौरान देखने को मिला था जब पीएम इस बात की घोषणा कर रहे थे कि उनके तीसरे कार्यकाल में देश विकसित देशों की सूची में शुमार हो जाएगा। शायद ऐसी मिसाल इस देश के इतिहास में इससे पहले कभी नहीं देखी गई है जब चुनाव से पूर्व ही किसी नेता ने स्वयं को देश का अगला पीएम घोषित कर दिया हो वह भी अपने राष्ट्रीय संबोधन में। प्रधानमंत्री मोदी का अब तक का कार्यकाल राजनीतिक शगुफे बाजी के कार्यकाल के रूप में हमेशा याद किया जाएगा क्योंकि इस दौरान अच्छे दिन आने वाले हैं, हम 100 दिन में विदेश में जमा काला धन वापस लाने वाले हैं। हर गरीब के खाते में 10-10 लाख डाले जाएंगे। हर साल 2 करोड लोगों को नौकरियां दी जाएगी आदि-आदि और न जाने क्या-क्या। आत्मनिर्भर भारत, किसानों की आय दो गुना करने से लेकर एक राष्ट्र एक चुनाव, एक देश एक कानून और इससे भी आगे जाकर न जाने क्या-क्या नारे और स्लोगन भाजपा के नीतिकार गढ़ कर एक अनूठा रिकॉर्ड बना चुके हैं। इन दिनों आम चुनाव से पहले भाजपा नेताओं द्वारा एक देश एक चुनाव की मुहिम को जिस तरह हवा दी गई है उसे पर जिस तेजी से काम शुरू किया गया है उसके पीछे भाजपा और प्रधानमंत्री की क्या मंशा है इसे कोई भी राजनीति पंडित नहीं समझ सकता है लेकिन इस विचार को आगे बढ़ाते हुए जिस तरह पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है और नेता विपक्ष अधीर रंजन ने इसकी सदस्यता स्वीकार करने से यह कह कर इनकार किया गया कि जिसके नतीजे पहले से ही तय हो उन्हें ऐसी किसी समिति की सदस्यता स्वीकार्य नहीं है। उनकी इस बात से साफ समझा जा सकता है कि मोदी सरकार चुनाव से पूर्व देश में एक साथ चुनावी व्यवस्था का मन बना चुकी है। वही एक देश और एक कानून यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने पर भी उसे कोई रोक नहीं सकता है क्योंकि केंद्र में भाजपा की एक ऐसी बड़े बहुमत वाली सरकार है जो चाहे कर सकती है। अगर देश में एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लागू होती है तो ऐसी स्थिति में छोटे और क्षेत्रीय दलों की भूमिका लगभग समाप्त हो जाएगी वहीं भाजपा जैसे बड़े राष्ट्रीय दलों का कोई भी आसानी से मुकाबला करने वाला नहीं बचेगा। अभी बीते कुछ सालों में केंद्र सरकार व उसके नेताओं को विपक्ष की मौजूदगी और किसी भी बड़े से बड़े आंदोलन को लेकर जिस तरह बेफिक्र देखा गया है उससे लोगों ने यह तक कहना शुरू कर दिया था क्या देश चीन और रूस की तरह तानाशाही की ओर बढ़ रहा है। भले ही लोगों की यह सोच 100 फीसदी सच न हो लेकिन राजनीति की एक भाषा सांकेतिक भी होती है जिसके आधार पर बहुत कुछ ऐसे संकेत भी मिलते हैं कि कोई देश और उसकी राजनीति किस दिशा और दशा में जा रही है। यह आने वाले 2024 के चुनाव के बाद बहुत कुछ साफ होने वाला है।

शहीद के सम्मान में आयोजित रक्तदान शिविर में दो महिलाएं सहित 100 युवाओं ने किया रक्तदान

कार्यालय संवाददाता

झज्जर। जिला मुख्यालय के अंतिम छोर पर बसे वीरों की देवभूमि कहे जाने वाले गांव धरौली की सामाजिक संस्था मां-मातृभूमि सेवा समिति द्वारा 1965 भारत-पाक युद्ध में देश की रक्षा के लिए लड़ते हुए शहीद होने वाले लांस नायक हवा सिंह लांबा धारौली के सम्मान में जिला रेडक्रॉस सोसायटी, झज्जर और सिविल हॉस्पिटल झज्जर के सहयोग से शहीद हवा सिंह लांबा राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धारौली में आयोजित रक्तदान शिविर में दूसरों को जिंदगी देने के लिए 100 लोगों ने रक्तदान किया स सिविल हॉस्पिटल, झज्जर से डॉ आंचल, नर्सिंग ऑफिसर ममता, सुमन, अशोक और रेड क्रॉस सोसाइटी से दीपक कुमार की टीम मोजूद रही।

भाकली रेवाड़ी के दंपति मास्टर सतीश यादव और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मुनेश देवी और रेवाड़ी के सुधराना गांव की लक्ष्मी सिंह ने रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि 12 बार रक्तदान कर चुके रक्तदानी सुखबीर जाखड़, चेयरमैन, रिलायंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने किया। 12 बार रक्तदान कर चुके रक्तदानी मास्टर अशोक कुमार ढोरिया, राजकीय प्राथमिक विद्यालय तुम्बाहेड़ी और 34 बार रक्तदान कर चुके रक्तदानी नितेश भौरिया , प्रो. अर्बन युवा रेडीमेड स्टोर, कोसली विशेष अतिथि के तौर पर शिरकत करते हुए रक्तदानियों की हौंसला अफजाही की। 12 बार रक्तदान कर चुके रक्तदानी मास्टर हरबीर मल्हान गिरधरपुर निवासी ने रक्तदान शिविर कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

19 बार रक्तदान कर चुके युद्धवीर सिंह लांबा, अध्यक्ष, मां-मातृभूमि सेवा समिति, वीरों की देवभूमि धारौली ने बताया कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में कार्यकरत वैज्ञानिक सतपाल लाम्बा धारौली निवासी रक्तदानी मंजीत अम्बोली, प्रो. श्री हँस बैग्स हाउस, कोसली, रक्तदानी मास्टर हरबीर मल्हान गिरधरपुर निवासी, रक्तदानी सोनू धारौली प्रो. सोनू मोटर वाईंडिंग सेंटर कोसली, झाडोदा निवासी जिला रेवाड़ी के रक्तदानी दीपक सोलंकी, कोसली गांव के कमला मेडिकल स्टोर के प्रो. विक्रम यादव, कृष्ण ठेकेदार गिरधरपुर, मास्टर श्री रोहित यादव कोसली आदि की तरफ से रक्तदान शिविर में विशेष सहयोग रहा।

रक्तदानी मंजीत अम्बोली, श्री हँस बैग्स हाउस, कोसली ने पहले 50 रक्तदाताओं को एक -एक इंडोर प्लांट क्रोटन निशुल्क भेंट स्वरूप किया।

शराब पिलाते रेस्टोरेंट स्वामी गिरफ्तार

देहरादून। पुलिस ने रेस्टोरेंट में शराब पिलाते हुए एक रेस्टोरेंट स्वामी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डालनवाला कोतवाली पुलिस ने आराघर के पास एक रेस्टोरेंट में छापा मारा तो वहां पर लोगों को शराब पीते हुए देखा तो रेस्टोरेंट स्वामी को गिरफ्तार कर लिया। जिसने अपना नाम जितेन्द्र थापा पुत्र मदन थापा निवासी धर्मपुर मस्जिद के पास बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कुवैत का वीजा दिलाने के नाम पर ठगे 30 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। कुवैत का वीजा दिलाने के नाम पर 30 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टर्नर रोड निवासी संतोष कुमार ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान मां ओवरसीज सर्विस चाणक्य पुरी दिल्ली के आनन्द त्रिपाठी से हुई। आनन्द ने उसको बताया कि वह विदेश में नौकरी लगवाने का काम करता है। जिसके बाद उसने उसको कहा कि उसको कुवैत का वीजा चाहिए वह कुवैत में नौकरी करने जाना चाहता है। जिसके बाद आनन्द ने उससे वीजा के नाम पर 30 हजार रूपये लिये। लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी उसको वीजा नहीं मिला तो उसने उससे अपने रूपये वापस मांगे तो उसने देने से इंकार कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डेंगू के बढ़ते मामले सरकार का नकारापनः जोशी

नगर संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव महेश जोशी ने कहा कि डेंगू से हाहाकार मचा हुआ है अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं, अव्यवस्था हावी है, प्लेटलेट्स के लिए भटकना पड़ रहा है निजी अस्पताल मरीजों से मनमानी फीस वसूल रहे हैं और निजी पैथोलीजी लैब चांदी काट रहे हैं जिन पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है उन्होने कहा कि सरकार की तरफ से डेंगू रोकथाम की कोई तैयारी नही है नगर निगम कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है और डेंगू विकराल रूप ले चुका है नियमित फॉगिंग की व्यवस्था भी है लेकिन ऐसे भी इलाके हैं जहां नगर निगम अब तक पहुंचा ही नही है। उन्होंने कहा कि सरकार पिछले वर्षों से डेंगू से हुई मौतों से भी नही चेती है। उन्होंने कहा कि सरकार को समय रहते युद्ध स्तर पर कार्य करने होंगे अस्पतालों में व्यवस्थाएं सुदृढ़ करनी होगी नियमित रूप से फोगीग जिससे डेंगू मच्छरों को पनपने से रोका जाए और डेंगू को निर्यंत्रित किया जा सके।

त्रिकद्रुकेषु चेतनं देवासो यज्ञमत्नत।
तमिद्वर्धन्तु नो गिरः।।
(ऋग्वेद ८-९२-२१)

देववृत्ति मनुष्य शरीर, मन, और आत्मा से प्रभु का स्तवन करते हैं। वे प्रभु स्तवन से ज्ञान का प्रकाश प्राप्त करते हैं। उनकी इंद्रियां उत्तम हो जाती हैं वे दीर्घायु को प्राप्त होते हैं।

जिलाधिकारी ने किया 10 दिवसीय राज्य स्तरीय कयाकिंग व कैनोइंग खेल का शुभारंभ

टिहरी। जनपद टिहरी गढ़वाल में आयोजित 10 दिवसीय राज्य स्तरीय कयाकिंग एवं कैनोइंग खेल विशेष प्रशिक्षण शिविर का रविवार को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित द्वारा हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ किया गया।

जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में कोटी कॉलोनी वाटर एडवेंचर स्पोर्ट्स आईटीबीपी सेंटर नई टिहरी में दिनांक 03 से 12 सितंबर 2023 तक आयोजित 10 दिवसीय राज्य स्तरीय कयाकिंग एवं कैनोइंग खेल में महिला एवं पुरुष वर्ग का विशेष प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं विशिष्ट अतिथि महासचिव उत्तराखण्ड ओलंपिक एसोसिएशन डी.के. सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से जहां एक तरफ खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं का अनुभव प्राप्त होगा, वहीं दूसरी तरफ जनपद में पर्यटन की अपार संभावनाएं विकसित होगी। कहा कि इस आयोजन

हेतु प्रशासन द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा।

महासचिव उत्तराखंड ओलंपिक संघ डी.के. सिंह ने कहा कि आयोजन को सफल बनाने में खेल विभाग उत्तराखंड, आईटीबीपी, टी.एच.डी.सी टिहरी गढ़वाल एवं उत्तराखंड कयाकिंग एवं कैनोइंग संघ एवं उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएशन के द्वारा संयुक्त रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। आई.टी.बी.पी के डिप्टी कमांडेंट आशुतोष बिष्ट द्वारा कयाकिंग एवं कैनोइंग की तकनीकी पहलुओं के संबंध में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी, सिक्योरिटी एसोसिएट टीएचडीसी ओम प्रकाश भट्ट, उप प्रबंधक जनसंपर्क टीएचडीसी आर.डी. ममगांई, मीडिया प्रभारी डीडी न्यूज जयप्रकाश कुकरेती, मंडल प्रवक्ता राजकीय शिक्षक उत्तराखंड कमल नयन रतूड़ी गढ़वाल, अभियंता टी.एच.डी.सी सुरेश अवर, क्रिकेट प्रशिक्षक सम्राट क्रिकेट अकादमी नई टिहरी असद आलम, सॉफ्टबॉल प्रशिक्षक नई टिहरी यजुवेंद्र चौहान एवं आई.टी.बी.पी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मुंहासों को दूर करने के लिए आजमाएं टमाटर के ये उपाय

किचन में मौजूद टमाटर न सिर्फ सब्जी का स्वाद बढ़ाते हैं बल्कि ऑयली स्किन के लिए भी रामबाण की तरह काम करते हैं। टमाटर में कसैले गुण होते हैं, जो अतिरिक्त सीबम उत्पादन को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इस प्रकार यह आपके मुंहासों को कम करने में आपकी मदद करते हैं। सबसे अच्छी बात जो टमाटर की है वह यह है कि यह स्किन के खुले हुएपोर्स को टाइट करते हैं, जिससे कि व्हाइटहेड्स और ब्लैकहेड्स से छुटकारा मिलता है। तो अगर आपको जानना है कि स्किन पर पड़े मुंहासों को जल्द कैसे दूर किया जाए तो टमाटर का इस तरह इस्तेमाल जरूर करें...

चेहरे पर करें इसे रब

अगर आपके पास नुस्खे आजमाने का समय नहीं है, तो आप यह आसान तरीका आजमा सकती हैं। आपको बस कटा टमाटर लेकर उसे सीधे अपने मुंहासों पर हल्के हाथों से रगड़ना है। इसके बाद इसे एक घंटे के लिए यूं ही छोड़ दें और फिर पानी से मुंह धोकर मॉइस्चराइज लगा लें।

जानें कैसे करता है काम

टमाटर में साइट्रिक एसिड और मैलिक एसिड होता है, दोनों त्वचा को एक्सफोलिएट करते हैं और मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाकर पोर्स को बंद करते हैं। इस प्रकार आपकी स्किन चमकदार और चिकनी बनती है।

टमाटर में मिलाकर लगाएं दही और बेसन

मुंहासों के कारण चेहरे के पोर्स बड़े दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में अगर टमाटर के जूस को लैक्टिक एसिड के साथ मिलाकर लगाया जाए, तो पोर्स को सिकोड़ने में मदद मिलती है। वहीं, बेसन स्किन को एक्सफोलिएट करने में मदद करता है।

कैसे बनाएं फेस पैक

एक कटोरे में, दो बड़ेचम्मच टमाटर का गूदा, एक बड़ा चम्मच दही और 1 बड़ा चम्मच बेसन डालें। सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से मिलाएं। इस फेस पैक को साफ त्वचा पर लगाएं और सूखने दें। 2० मिनट के बाद इसे धीरे-धीरे थोड़े से पानी के साथ रगड़ें। सर्वोत्तम परिणामों के लिए सप्ताह में दो बार ऐसा करें।

टमाटर के साथ खीरे का प्रयोग करें

टमाटर की तरह, खीरे में भी कसैले गुण होते हैं, जो त्वचा का पीएच संतुलन बनाए रखते हैं। दोनों को एक साथ स्किन पर लगाने से स्किन से तेल निकलना कम होता है और मुंहासों पर रोक लगती है।

कैसे बनाएं फेस पैक

टामटर और खीरे को कद्दूकस कर इसका रस निकालें। फिर इसे एक साथ मिलाकर चेहरे पर कॉटन की मदद से लगा सकते हैं। इसका उपयोग सप्ताह में दो या तीन बार टोनर-कम-फेस पैक के रूप में करें। लेकिन इसे हमेशा साफ त्वचा पर ही लगाएं और आधे घंटे के बाद धो लें।

शिशु को पसंद नहीं है नहाना तो वो देता है कुछ ऐसे संकेत

दिन की शुरुआत और रात को सोने से पहले नहाना बुहत अच्छा माना जाता है। साफ सफाई के अलावा इससे शरीर रिलैक्स रहता है और नींद भी अच्छी आती है। हालांकि, कुछ बच्चों को नहाना पसंद नहीं होता है और इसके कई कारण हो सकते हैं। बच्चे के नहाते समय रोने की भी कई वजह हो सकती हैं।

नवजात शिशु को सप्ताह में दो से तीन पर स्पॉन्ज बाथ दे सकते हैं। जहां पर शिशु को नहला रहे हैं, वहां का तापमान गर्म होना चाहिए। बच्चे को तौलिए में लपेट कर रखें और सिर्फ उस हिस्से को बाहर निकालें जिसे साफ करना हो। जब तक कि अम्बिलिकल स्टंप खुद नहीं गिर जाती, तब तक इसे सूखा रखें ताकि कोई संक्रमण न हो। अम्बिलिकल कॉर्ड गिरने के बाद आप अपने शिशु को रोज बाथ टब में नहला सकते हैं। शुरुआत में स्पॉन्ज बाथ ही दें, इससे बच्चे को नहाने की आदत हो जाती है। आप अपनी मर्जी से बच्चे को सुबह या शाम के समय नहला सकती हैं।

अगर बच्चे की आंख में साबुन या पानी चला जाए तो आपको इसकी जानकारी देने के लिए वो रोने लगते हैं। पानी बहुत गर्म या ठंडा हो या नहाने का कमरा बहुत ठंडा हो या बच्चे को तौलिये में ठीक तरह से लपेटा न गया हो तो भी बच्चे रोने लगते हैं। खाली पेट या भूख लगने पर भी बच्चों को नहाने में मजा नहीं आता है। नहाने से पहले बच्चे का पेट भरा होना चाहिए और उसे डकार आ जानी चाहिए। अगर बच्चा चिड़चिड़ा हो रहा है तो उसे तब न नहलाएं।

यदि नहाते समय बच्चे को सहज महसूस नहीं होता या उसे कोई डर सताता है तो वो रोकर या इधर उधर मचल कर नहाने से दूर भागने लगता है। अगर एक बार नहाने के समय उन्हें कोई बुरा अनुभव हो जाए तो इससे उनके मन में नहाने को लेकर डर बैठ सकता है। कुछ बच्चों को पानी की आवाज भी डराती है। शिशु नहाने को एंजॉय कर सके इसलिए उसके बाथ टब में उसके पसंदीदा खिलौने रखें। पानी ज्यादा ठंडा या गर्म नहीं होता चाहिए लेकिन अगर पानी ठंडा है तो बच्चे को पानी से निकालते ही मुलायम तौलिए में लपेट दें। यदि प्रीमैच्योर शिशु है यानी उसका जन्म प्रेगनेंसी के 37वें सप्ताह से पहले हो गया है तो शिशु को कुछ दिनों तक न नहलाएं। शिशु की त्वचा पर जो सफेद परत होती है यानी वर्निक्स कैसिओसा को न हटाएं। इसे खुद शिशु की त्वचा में अवशोषित होने दें। बच्चे के बालों को माइल्ड शैंपू से धोएं। साबुन को बच्चे के चेहरे पर न आने दें।

बालों में तेल से ज्यादा सिर की मालिश जरूरी

बालों में ढेर सारा तेल लगाने के बाद भी अगर आपके बाल तेजी से झड़ रहे हैं या फिर असमय ही सफेद होते चले आ रहे हैं, तो इस बात का पता लगाना बेहद जरूरी है कि क्या तेल लगाने से तो ऐसा नहीं हो रहा है। बालों में जो तेल आप लगा रहे हैं, क्या वह आपको सूट भी कर रहा है? क्या अपने बाल लंबे और घने करने के चक्कर में आप जरूरत से ज्यादा ऑयलिंग तो नहीं कर रहे हैं?

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि तेल की आवश्यकता आपके बालों को नहीं बल्कि आपकी स्कैल्प को होती है। इसलिए यह धारणा जितनी जल्दी हो सके बदल लें। आइए जानते हैं कि बालों में हद से ज्यादा तेल लगाना कितना फायदा और कितना नुकसानदायक होता है।

बालों से ज्यादा सिर की मालिश जरूरी

बालों पर रोज तेल मालिश करना किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं है। इससे आपके बाल झड़ने की समस्या बिल्कुल भी दूर नहीं होगी। बल्कि आपको अपने स्कैल्प की मालिश करनी चाहिए, फिर चाहे वह तेल से करें या फिर बिना तेल के।

हाथों में गुनगुना तेल लें और उसे सिर पर डालें। फिर उसे उंगलियों से तकरीबन 1० से 15 मिनट तक स्कैल्प की अच्छी तरह से मसाज करें। फिर इसे एक घंटे के लिए छोड़ दें। इसके बाद शैंपू से बालों को साफ करें। मसाज करने से रक्त प्रवाह बढ़ता है, जिससे बाल लंबे-घने और काले होते हैं।

इन दिनों बालों के लिए तरह-तरह के तेलों के विकल्प मौजूद हैं। लेकिन आपको सिर्फ प्राकृतिक तेलों को ही तवज्जो देनी चाहिए, जैसे- ऑलिव ऑयल, नारियल तेल, नीम का तेल, जोजोबा ऑयल, ऑलिव ऑयल, चमेली का तेल, पेपरमिंट ऑयल, तिल का तेल, बादाम का तेल, भृंगराज तेल, लैवेंडर ऑयल आदि।

फिजी बालों के लिए नहीं चलेगा सिर्फ तेल से काम

यदि आपका सिर रूखा है और यह सोच कर ढेर सारा तेल लगा लेते हैं कि उससे बाल नरम हो जाएंगे तो ऐसा न करें। ढेर सारा तेल लगाने से स्कैल्प के पोर्स ब्लॉक होने लगते हैं और उनमें गंदगी भरने लगती है। ऐसा लगातार करने से सिर में फंगल इंफेक्शन भी सकता है।

क्या करें जब तेल से हो एलर्जी

अगर आपके स्कैल्प को तेल से एलर्जी है, तो ऐसे कई तरीके हैं जिससे आपके बालों को भरपूर्ण पोषण मिल सकता है। आप चाहें तो बालों में हर सप्ताह अंडे का हेयर पैक बना कर लगा सकती हैं। इसके अलावा हिना पाउडर का पेस्ट, आंवला और अश्वगंधा भी बालों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है।

सेहत के लिए लाभकारी है मक्खन

मक्खन के बिना कई भारतीयों का नाश्ता अधूरा होता है। शायद ही कोई दिन ऐसा होगा जब आप इनसे बच पाती हों। लेकिन कैलरी के लिहाज से कौन ज्यादा हेल्दी ऑप्शन है यह जानना भी जरूरी है। इस बार जानिए मक्खन सेहत के लिए कितना बेहतर है। आयुर्वेद के अनुसार मक्खन इतना लाभकारी है कि हर इंसान को रोज इसे खाना चाहिए। जहां इन दिनों लोग डायटिंट के नाम पर मक्खन और घी से दूर भागते हैं वहीं पुराने जमाने में मक्खन इसलिए खाया जाता था कि शरीर तुंदुरूस्त बना रहे। दूध, मक्खन और चीज के बिना हमारे दिन की शुरूआत ही नहीं होती। ब्रेड बटर हो या चीज सैन्डविच ब्रेकफस्ट में ये जरूर शामिल होते हैं। मक्खन में मौजूद फैटी एसिड-कौंजुलेटेड लिनोलेक एसिड कैंसर से बचाव में बहुत मददगार है। यह एसिड ट्यूमर से लेकर कैंसर तक के उपाचा में मददगार हो सकता है। मक्खन में आयोडीन अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो थायरॉड के मरीजों के लिए बहुत लाभकारी है। इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन ए भी थायरॉइड ग्लैंड को स्ट्रोन्ग बनाता है। इसमें कैलरी बहुत होती है। 1 टेबल स्पून मक्खन में लगभग 1०2 कैलरी होती है जबकि 1 टेबल स्पून चीज में 5० कैलरी इसमें फाइबर एकदम नहीं होता। प्रोटीन व कार्बोहाइड्रेट ना के बराबर होते हैं। इसमें फैट, विटमिंस ए, के, बी12 व ई व मिनरल्स पाए जाते हैं। कैल्शियम, फॉस्फोरस व पोटैशियम की पर्याप्त मात्रा होती है।

साफ पानी पीयें, हैजा से सुरक्षित रहें

कॉलेरा, यानी हैजा के लक्षण दिखने पर तुरंत इलाज की जरूरत होती है, क्योंकि बीमारी के बढ़ जाने पर ये जानलेवा साबित हो सकती है। इससे बचने के लिए अपने आसपास साफ-सफाई रखना जरूरी है।

कैसे होता है कॉलेरा?

कॉलेरा बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी है। जब हम कोई दूषित वस्तु खा या पी लेते हैं, तो उसमें मौजूद बैक्टीरिया एक हानिकारक केमिकल रिलीज करता है। इससे गंभीर रूप से दस्त और उल्टियां शुरू हो जाती हैं। उल्टी और दस्त के अलावा कॉलेरा में और भी कई परेशानियां होती हैं, जैसे-

धड़कने तेज हो जाना

गला सूखना

लो ब्लड प्रेशर

मांस-पेशियों में दर्द

कॉलेरा हो तो क्या करें ?

उल्टी और दस्त के कारण शरीर से काफी मात्रा में पानी निकल जाता है। लिहाजा इसकी आपूर्ति के लिए ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ह्रस्र) लेने की जरूरत पड़ती है। अगर पानी काफी मात्रा में निकल चुका हो तो फ्लूइड चढ़ाने की भी जरूरत पड़ सकती है।

बचाव के लिए इन बातों का रखें ध्यान

हमेशा ताजा खाना ही खाएं खासतौर पर बारिश के दिनों में, पीने का पानी स्वच्छ हो इसका खास ध्यान रखें, पानी उबाल कर पियें, पानी में क्लोरीन का इस्तेमाल करें, पहले से काटकर रखे हुए फल और सब्जियों का सेवन न करें।

सर्दी-जुकाम से परेशान है तो इन उपायों से मिलेगी फौरन राहत

मौसम के बदलते ही सर्दी और जुकाम का होना आम बात है। लेकिन आप थोड़ा सावधानी बरतकर सर्दी और जुकाम की समस्या से निजात पा सकते हैं। सर्दी और जुकाम के साथ ही खांसी की समस्या होने लगी है। अगर सुबह उठते ही आपका गला बैठा रहता है और छींक के साथ ही सिर में भारीपन भी रहता है तो आप इस मौसम में छोटी-छोटी सावधानियां बरतकर इस समस्या को खुद ही दूर कर सकते हैं।

सर्दी-खांसी और जुकाम की समस्या संक्रमण की वजह से होती है। अगर आपके आसपास किसी को सर्दी और जुकाम हो रहा है तो यह आपको भी हो सकता है। इसके अलावा इस मौसम में एलर्जी भी सर्दी और जुकाम की वजह बनती है। अगर ठीक वक्त पर इसका इलाज नहीं हुआ तो यह वायरल का रूप भी ले सकता है।

दरअसल सिरदर्द, आंखों से पानी बहना, बदन टूटना वायरल के लक्षण हैं। ये लक्षण सर्दी, खांसी और जुकाम के साथ ही शुरू होती हैं। ऐसे में इस समस्या के बचाव के लिए हल्का खाना खाएं और डाइट में हरी सब्जियां और ताजे फल ज्यादा लें। आप घर में ही काढ़ा बनाकर सर्दी और जुकाम की समस्या में राहत पा सकते हैं। इसके अलावा ब्लैक टी भी इस समस्या में फायदेमंद होती है। दरअसल मौसम के करवट लेते ही हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और हमें वायरल होने लगता है। ऐसे में अगर आपका नाक बंद हो गया हो या गले में तेज खराश हो रही है तो आप गर्म पानी से गरारे करें और स्टीम लें। आप सर्दी, खांसी और जुकाम से बचने के लिए रात में हल्दी दूध पिएं। सर्दी और जुकाम की समस्या से बचने के लिए हरी सब्जियां ज्यादा खाएं। नींद भरपूर लें और हल्का खाना खाएं। आप शहद का सेवन करें। ग्रीन टी भी इस मौसम में लाभकारी होती है। ठंडे पानी की जगह गर्म पानी पिएं और मसाला चाय का सेवन करें। अदरक के सेवन से भी सर्दी और जुकाम में राहत मिलती है।

सिर दर्द होने पर क्या आप भी तुरंत खा लेते हैं दवा, ऐसा करना हो सकता है खतरनाक!

अक्सर देखा गया है कि सिरदर्द होने पर लोग तुरंत जाकर ओवर द काउंटर दवाओं का सेवन कर लेते हैं। हल्का सा दर्द होने भी तुरंत पेनकिलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिरदर्द होते ही पेनकिलर खाना खतरनाक हो सकता है। इससे कई तरह के नुकसानदायक भी हो सकते हैं। सिरदर्द होने पर किसी तरह का पेनकिलर तुरंत खाने से आराम तो मिल सकता है लेकिन लंबे समय के लिए यह गंभीर समस्याएं भी पैदा कर सकता है। इसलिए कभी भी सिर में दर्द होने पर तुरंत दवा खाने से बचना चाहिए। आइए जानते हैं इसके क्या नुकसान हो सकते हैं।

सिरदर्द होने पर तुरंत क्यों नहीं खानी चाहिए दवा

हेडेक से आराम पाने के लिए ज्यादातर लोग तुरंत पेनकिलर लेकर खा जाते हैं। ओवर द काउंटर दवाईयों का सेवन एक लिमिट में ही सुरक्षित होता है। बहुत ज्यादा या अक्सर ही पेनकिलर या कोई दवा खाने से गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। बिना डॉक्टर की सलाह दवा खाकर खरीदने की आदत भी गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। इससे शरीर में कई तरह के साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं।

सिरदर्द में तुरंत दवा खाने के नुकसान

दवाओं के ओवरडोज से पेट नर्वस सिस्टम और शरीर की इम्यूनिटी को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

इसकी वजह से पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे दर्द, सूजन और अपच हो सकता है।

सिरदर्द में बहुत ज्यादा पेनकिलर खाने से लिवर और किडनी जैसे आंतरिक अंगों पर बुरा असर पड़ सकता है। दवा खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी खत्म हो सकती है। सिरदर्द में बहुत ज्यादा पेनकिलर खाना दिल से जुड़ी गंभीर बीमारियां पैदा कर सकता है। इससे हार्ट अटैक का खतरा भी हो सकता है। सिरदर्द होने पर अगर अक्सर पेनकिलर खाते हैं तो इसकी वजह से पेट का अल्सर भी हो सकता है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सुबह बिना ब्रश किए पानी पीना सही है?

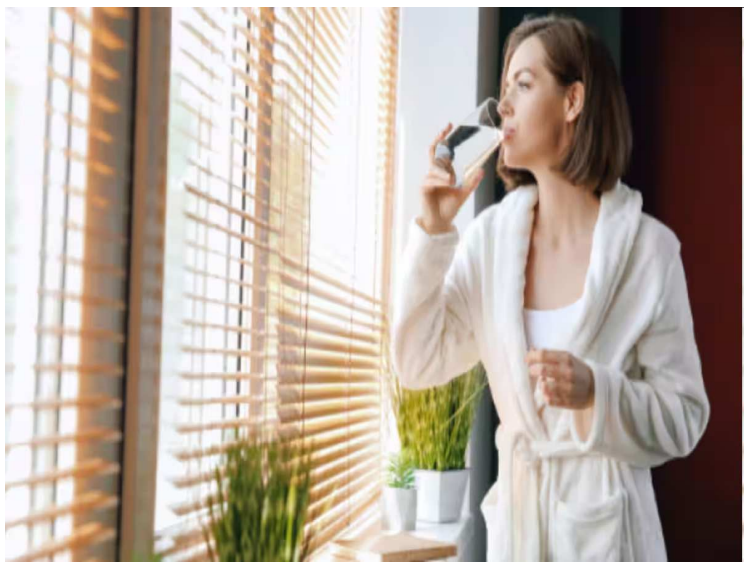

शरीर के लिए पानी कितना ज्यादा जरूरी है यह बात किसी से छिपी नहीं है। बहुत सारी पेट की बीमारी और खुद को हाइड्रेट रखने के लिए पानी बहुत 'यादा जरूरी है। डॉक्टरों के मुताबिक रोजाना 8-1० गिलास पानी पीना चाहिए। लेकिन कई लोग सुबह ब्रश करने से पहले बासी मुंह पानी पीते हैं। आज हम जानेंगे क्या ऐसा करना सच में सेहत के लिए फायदेमंद है।

ब्रश करने से पहले पानी पीने के फायदे

डाइजेशन होता है बेहतर: अगर आप ब्रश करने से पहले बासी मुंह पानी पीते हैं तो ऐसा करने से आपकी पाचन शक्ति अ'छी होती है। साथ ही आपका खाना आसानी से पच जाता है। शरीर में जमी कई बीमारियां जैसे- आलस आना, पिंपल्स होना, पेट की बीमारी, अनपच की दिक्कत, अगर आप बासी मुंह बिना ब्रश किए पानी पीते हैं तो आपके शरीर की गंदगी निकल जाती है।

सुबह के वक्त शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है: सोने के दौरान यानि 7-8 घंटे के बीच तो हम पानी पीते नहीं है। ऐसे में आपको सुबह उठकर सबसे पहले पानी पीना चाहिए।ताकि आपका शरीर सबसे पहले हाइड्रेट रहे।

मुंह में बैक्टीरिया नहीं होता है जमा: मुंह में जमे जितने भी जर्म्स होते हैं। बासी मुंह पानी पीने से मुंह जर्म फ्री हो जाते हैं।

इम्युनिटी बढ़ती है: अगर आप बासी में पानी पिएंगे तो आपकी इम्युनिटी बढ़ेगी। आपको जल्दी-जल्दी कोल्ड या कफ नहीं होगा। इससे बाल भी हेल्दी होते हैं।

सुबह बासी मुंह पानी पीने से आप हाई बीपी और शुगर जैसी बीमारी से बच सकते हैं। साथ ही सुबह अगर आप पानी पीते हैं तो आप मोटापे जैसी समस्या से बच सकते हैं। अगर आपको वजन कम करना है तो बासी मुंह जरूर पानी पिएं। सुबह बासी मुंह पानी पीना अ'छा माना जाता है। मुंह से बदबू नहीं आती है : ड्राई माउथ के कारण मुंह से बदबू आती है। ऐसे में अगर आप सुबह उठकर बासी मुंह से पानी पिएंगे तो आप कई तरह के समस्या से बच सकते हैं। ड्राई माउथ की समस्या तब होती है जब आप जरूरत के हिसाब से पानी नहीं पीते हैं, इसलिए सुबह उठकर पानी जरूर पानी पीना चाहिए।(आरएनएस)

करिश्मा कर के एक-एक पोज में है बोल्डनेस का तड़का!

एक्ट्रेस और मॉडल करिश्मा कर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। करिश्मा कर अपने फोटोज और वीडियोज फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं। करिश्मा कर के इंस्टाग्राम अकाउंट पर नजर डालें तो वह अपनी बोल्डनेस से लोगों का ध्यान खींचती हैं।

करिश्मा कर ने काफी ग्लैमरस और बोल्ड फोटोज और वीडियोज शेयर किए हैं। म्यूजिक वीडियो और वेब सीरीज में एक्टिंग का जलवा दिखाने वाली करिश्मा कर अपनी बोल्डनेस के मामले में पूनम पांडे, उर्फी जावेद, शर्लिन चोपड़ा सहित तमाम एक्ट्रेस को जबरदस्त टक्कर देती हैं। करिश्मा कर ने कैमरे के सामने बोल्ड अंदाज दिखाया है। करिश्मा कर के खुले बाल उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहे थे।

करिश्मा कर अपने फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करती रहती हैं। करिश्मा कर पूल के अंदर मोनोकिनी में नजर आ रही हैं। करिश्मा कर अक्सर अपने कर्वी फिगर को फ्लॉन्ट करते नजर आती हैं। करिश्मा कर के फैंस उनकी तस्वीरों को देखकर आहें भरते हैं। करिश्मा कर ने बिकिनी पहनकर ऐसा पोज दिया है कि उनके फैंस तस्वीर को बार-बार निहारने पर मजबूर हा जाएंगे। करिश्मा कर को इंस्टाग्राम पर 13 लाख से 'यादा लोग फॉलो करते हैं। करिश्मा कर की तस्वीरें आते ही वायरल हो जाती हैं। करिश्मा कर ने काफी बोल्ड अंदाज में पोज दिया है। करिश्मा कर का ऐसा अंदाज लगभग हर तस्वीर में देखने को मिलता है।

करिश्मा कर अलग-अलग रिवीलिंग आउटफिट में फोटोज क्लिक करवाती हैं। करिश्मा कर अधिकतर खुले बालों में पोज देती नजर आती हैं। करिश्मा कर के फैंस उनकी तस्वीरों को बेसब्री से इंतजार करते हैं।

करिश्मा कर भी फैंस को बिना निराश किए फोटोज शेयर करती रहती हैं। करिश्मा कर ने बिकिनी पहनकर अपना फिगर दिखाया है। करिश्मा कर पूल से स्विमिंग के बाद पोज देते नजर आईं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -030

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

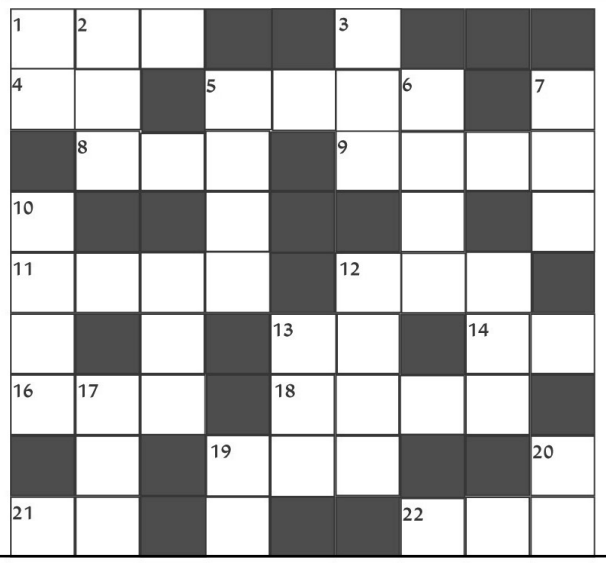

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 29 का हल

पं	क्ति	■	स्वा	द	■	स	ब	ब
जा	■	सु	हा	ना	■	■	ली	द
ब	हु	धा	■	द	ल	ना	■	ल
■	■	क	मा	न	■	ग	ह	ना
भं	व	र	■	■	■	वा	म	■
गी	त	■	म	ज	बू	र	■	ट
■	न	म	स्का	र	■	■	■	र
■	■	र्या	■	■	बी	■	ना	का
सं	वि	दा	■	ब	स	च	ल	ना

ऑपरेशन वैलेंटाइन से जारी हुआ वरुण तेज का लुक

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता वरुण तेज लंबे समय से अपनी फिल्म वीटी13 को लेकर चर्चा में हैं।फिल्म को लेकर तरह-तरह की जानकारी सामने आती रहती है। अब वरुण की इस फिल्म से उनके लुक के साथ ही इसके शीर्षक की घोषणा हो गई है। वरुण की वीटी13 का नाम ऑपरेशन वैलेंटाइन रखा गया है। फिल्म से उनका पहला लुक भी सामने आ गया है। फिल्म के पोस्टर में वरुण एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन के जरिए वरुण बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। भारतीय वायु सेना पर आधारित इस हवाई एक्शन ड्रामा में मानुषी छिल्लर भी अहम भूमिका में नजर आएंगी।ऑपरेशन वैलेंटाइन 8 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म को हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज किया जाएगा।ऑपरेशन वैलेंटाइन का निर्देशन शक्ति प्रताप सिंह हाड़ा द्वारा किया जा रहा है। संदीप मुद्डा फिल्म के निर्माता हैं।फिल्म नंदकुमार अब्बिनेनी और गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट द्वारा सह-निर्मित है। भारतीय वायु सेना पर आधारित एक हवाई एक्शन ड्रामा, यह फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषाओं में एक साथ शूट की गई है। यह फिल्म तेलुगु अभिनेता वरुण तेज की हिंदी डेब्यू फिल्म है। इस फिल्म से लोकप्रिय विज्ञापन-फिल्म निर्माता शक्ति प्रताप सिंह हाड़ा निर्देशन के क्षेत्र में अपना डेब्यू कर रहे हैं। यह फिल्म सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस और संदीप मुद्डा द्वारा निर्मित है और नंदकुमार अब्बिनेनी और गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट द्वारा सह-निर्मित है। ऑपरेशन वैलेंटाइन के अलावा, अभिनेत्री मानुषी की झोली में द ग्रेट इंडियन फैमिली, तेहरान और बड़े मियां छोटे मियां जैसी 3 बड़ी फिल्में रिलीज हुई हैं।

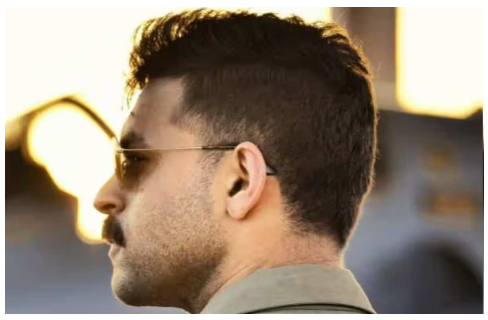

टाइगर श्रॉफ ने आगामी फिल्मों के लिए कसी कमर

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की आने वाले दो वर्षों में 3 फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिसमें सिंघम अगेन, गणपथ और बड़े मियां छोटे मियां 2 शामिल हैं। इसके अलावा टाइगर एक स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म का भी हिस्सा हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, टाइगर आगामी वर्ष के लिए परियोजनाओं की एक बड़ी लाइनअप की व्यवस्था कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन से होगी।फिल्म में उनका किरदार बेहद छोटा, लेकिन दमदार होगा।

मौजूदा वक्त में टाइगर मुंबई के एक स्टूडियो में गणपथ के अंतिम चरण की शूटिंग कर रहे हैं। एक सूत्र ने कहा, वर्तमान में टाइगर गणपथ की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह लगभग 15 दिनों का शेड्यूल है, जहां वह कुछ एक्शन दृश्यों को फिल्माएंगे। निर्माता इसके पोस्ट-प्रोडक्शन पर भी काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि अगले महीने फिल्म का टीजर जारी किया जाएगा। गणपत की शूटिंग पूरी करने के बाद, वह सिंघम अगेन के लिए रवाना होंगे।

टाइगर को पिछली बार फिल्म हीरोपंती 2 में देखा गया था, जिसमें वह तारा सुतारिया के साथ नजर आए थे। महज 70 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 35.13 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।आने वाले दिनों में टाइगर बड़े मियां छोटे मियां 2 में नजर आएंगे।इसमें अक्षय कुमार, सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर कर रहे हैं।

प्रिया भवानी, मालविका को कन्नड़ फिल्म भीमा में नायिका के रूप में चुना गया

प्रिया भवानी शंकर और मालविका शर्मा कन्नड़ फिल्म भीमा की नायिकाएं होंगी, जिसमें सुपर स्टार गोपीचंद मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, क्योंकि यह उनकी 31वीं फिल्म होगी। यह फिल्म ए हर्षा द्वारा निर्देशित और के.के. द्वारा निर्मित है। श्री सत्य साईं आर्ट्स के बैनर तले राधामोहन।

फिल्म में दोनों हीरोइनों की बराबर अहमियत होगी। फिल्म का पहला लुक पहले गोपीचंद के जन्मदिन के दौरान जारी किया गया था और माचो हीरो के दमदार लुक को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी।

बड़े पैमाने पर बन रही इस हाई-बजट फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में चल रही है। पारिवारिक भावनाओं और अन्य तत्वों की अ'छी खुराक से सजी एक विशाल एक्शन मनोरंजक फिल्म भीमा में विभिन्न शिल्पों की देखभाल करने वाले कुछ शीर्ष तकनीशियन होंगे। जबकि स्वामी जे.गौड़ा छायाकार हैं, केजीएफ फेम रवि बसरूर संगीत देंगे। रमाना वंका प्रोडक्शन डिजाइनर हैं और किरण संपादक हैं। अ'जू महंकाली संवाद लिखेंगे। एक्शन से भरपूर इस फिल्म में राम-लक्ष्मण, वेंकट और डॉ रवि वर्मा द्वारा कोरियोग्राफ किए गए झगड़े होंगे।(आरएनएस)

सीरत कपूर भामाकलापम 2 में नजर आएंगी

अभिनेत्री सीरत कपूर, जिन्होंने हाल ही में शारवानंद के साथ एक अनाम रोमांटिक कॉमेडी के लिए आठ साल बाद अपने सहयोग की घोषणा की, जल्द ही आगामी स्ट्रीमिंग फिल्म भामाकलापम 2 में दिखाई देंगी।

अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर अपने परीक्षणों से एक तस्वीर पोस्ट करते हुए अपने अनुयायियों के साथ खबर साझा की।

तस्वीर में, वह अपने घुंघराले बालों के साथ एक चमकदार पोशाक पहने हुए देखी जा सकती है। उन्होंने तस्वीर को कैप्शन दिया, ऑनटू माई नेक्स्ट सेट सभामाकलापम2। अभिनेत्री फ्रैंचाइज़ में एक नई प्रेरण है।

सीरत के सीरीज का हिस्सा होने पर सेट से एक सूत्र ने खुलासा किया, सीरत एक ऐसा किरदार निभाने के लिए तैयार हैं जो न केवल ग्लैमरस है बल्कि मजाकिया और रहस्यमय भी है। वह बेहद ग्लैमरस अवतार में नजर आने वाली हैं।

सूत्र ने आगे उल्लेख किया, भामाकलापम 2 में सीरत कपूर का किरदार उनकी अपनी बॉलीवुड की पहली फिल्म मैरिच से प्रेरणा लेता है, जहां उन्होंने एक ऐसी भूमिका निभाई जिसने दर्शकों को उत्सुक और प्रभावित किया। जटिल किरदारों को चित्रित करने की उनकी आदत के साथ, उम्मीद है कि सीरत इस वेब सीरीज में भी अपने किरदार में एक अनूठी गहराई लाएगी और निर्माता इससे प्रभावित हुए और उन्होंने इस सीरीज में भी उसी किरदार को लाने का फैसला किया है।

अभिनेत्री ने सेट से कई तस्वीरें भी पोस्ट की थीं, जहां वह एक मिनी वन-पीस में ग्लैमरस लग रही थीं, जिसमें उनके बाल खुले थे और वह परफेक्ट मेकअप के साथ एक बार में कैमरे के सामने पोज दे रही थीं। वह अपनी सीरीज का पहला शेड्यूल पहले ही पूरा कर चुकी हैं और अब जल्द ही अपना दूसरा शेड्यूल पूरा करने के लिए हैदराबाद के लिए उड़ान भरेंगी।

इस बीच, सीरत दिल राजू की आकासम दाती वास्तव में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आएंगी। उन्होंने हाल ही में लंदन में अपनी आगामी रोमांटिक-कॉम फिल्म के लिए अपने पहले सह-कलाकार शारवानंद के साथ अपना पहला शेड्यूल पूरा किया।

सिंपल साड़ी पहन रकुल प्रीत ने लूटी लाइमलाइट

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी बोल्ड और खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का दिल मचल देती हैं। एक्ट्रेस इन दिनों अपनी एक से बढ़कर एक ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करने में लगी हुई हैं। हालांकि वो जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो कुछ ही मिनटों में वायरल होने लग जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से इंटरनेट पर सादगी भरे अंदाज से तड़का लगा दिया है। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर इंटरनेट का पारा गर्म कर दिया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने बेहद ही खूबसूरत साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। रकुल प्रीत सिंह ने अपनी इन तस्वीरों में रेड कलर की साड़ी के साथ गोल्डन ब्लाउज पहना हुआ है। कानों में इयररिंग्स, बालों का बन बनाकर और साथ ही मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं रकुल प्रीत सिंह ने प्यारी सी स्माइल देते हुए अपने इस लुक पर चार चांद लगा दिए हैं। रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया लवर हैं। एक्ट्रेस को इंस्टाग्राम पर 23.3 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं।

जासूसी फिल्म में आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी शारवरी वाघ

बंटी और बबली 2 से अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री शरवरी, आलिया भट्ट के साथ स्पाई-यूनिवर्स की फिल?म में शामिल हो गई हैं। इस फिल्म की शूटिंग 2024 में शुरू होने की उम्मीद है। यह स्पाई-यूनिवर्स की एक जासूसी फिल्म होगी। स्पाई-यूनिवर्स में वॉर, टाइगर फ्रेंचाइजी और पठान जैसी फिल्में शामिल हैं। आदित्य चोपड़ा इस फिल्म के साथ वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं जो स्पाई-यूनिवर्स की 8वीं फिल्म होगी।

एक सूत्र ने खुलासा किया, अभिनेत्री शारवरी वाघ एक ऐसी शख्स हैं, जिनके बारे में इंडस्ट्री को लगता है कि वह उभरती हुई स्टार हैं। उन्हें आदित्य चोपड़ा ने आलिया भट्ट के साथ अपनी स्पाई-यूनिवर्स फिल्म में नायिका के रूप में चुना है, इससे पता चलता है कि शरवरी अपनी पीढ़ी की बाकी अभिनेत्रियों से कहीं ऊपर हैं।

सूत्र ने कहा, वाईआरएफ का यह कदम शानदार ढंग से उन्हें एक युवा अभिनेत्री के रूप में स्थापित करता है, जो भारतीय फिल्म उद्योग में प्रसिद्धि पाने के लिए तैयार है। उनके जैसे किसी व्यक्ति को वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में प्रवेश करते हुए देखना काफी रोमांचक है, जिसमें केवल सुपरस्टार्स को ही भूमिकाएं दी गई हैं।

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स आज हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा आईपी है, जिसमें सबसे बड़े सुपरस्टार इस फ्रेंचाइजी के लिए बोर्ड पर आ रहे हैं। यूनिवर्स की शुरुआत 2012 में एक था टाइगर से शुरू हुई। इसकी यात्रा ब्लॉकबस्टर फिल्मों से भरी रही है।

टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान, जो सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई।

आलिया और शरवरी की अभी तक शीर्षकहीन फिल्म 2024 में फ्लोर पर जाएगी जो वर्तमान में विकास और प्री-प्रोडक्शन चरण में है।

स्पाई-यूनिवर्स की लेटेस्ट पेशकश सलमान खान और कैटरीना कैफ की टाइगर 3 है जो इस दिवाली रिलीज होने वाली है। ऋतिक रोशन, एनटीआर जूनियर और कियारा आडवाणी के साथ वॉर 2 नवंबर में फ्लोर पर जाएगी। टाइगर बनाम पठान भी अगले साल फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है।

थाईलैंड का करतबी नेता थाकसिन!

श्रुति व्यास

थाकसिन शिनवात्रा उस दौर में थाईलैंड के लोकलुभावन नेता थे जब लोकलुभावन बातें करने का फैशन नहीं था। वे एक पुलिस अधिकारी से टेलिकॉम सेक्टर के शहंशाह बने और फिर राजनीतिज्ञ। थाकसिन शिनवात्रा ने एक पार्टी बनाई - थाई रेक थाई (थाई लोग थाई लोगों से प्यार करते हैं) - और वे बहुत जल्दी गांवों में रहने वाले गरीबों और दबे-कुचलों में लोकप्रिय हो गए। सन् 2001 में उन्होंने एक बड़ी चुनावी जीत के जरिए सत्ता हासिल की। लेकिन 2006 में सेना ने उनका तख्ता पलट दिया और वे देश छोड़कर जाने को मजबूर हो जाए। लेकिन उनकी लोकप्रियता कायम रही।

थाकसिन का कार्यकाल आर्थिक समृद्धि और बेहतरी के लिए जाना जाता है। उन्होंने ऐसी नीतियां लागू कीं जिनसे ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों का जीवन स्तर बेहतर हुआ। उन्होंने सबके लिए स्वास्थ्य देखभाल योजना लागू की, विकास को प्रोत्साहन देने के लिए गांव के स्तर पर धन उपलब्ध करवाया और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली योजनाएं लागू कीं जिनसे देश को एशियाई आर्थिक संकट से उबरने में सहायता मिली। उनके कार्यकाल में ही थाईलैंड आईएमएफ का ऋण तय तारीख से पहले चुकाने में सफल रहा। वे जनता में सबसे अधिक लोकप्रिय थे किन्तु देश के दो प्रमुख सत्ता केन्द्र - सेना और राजपरिवार - उन्हें नापसंद करते थे।

इसका नतीजा यह हुआ कि वे दिन पर दिन बाटों और राज करों की की पैतरेबाजी करने लगे। थाकसिन और सेना व राज परिवार में उनके विरोधियों के बीच टकराव हुआ। थाईलैंड एक बंटा हुआ देश बन गया। राजनैतिक उथलपुथल शुरू हुई। उनके कंज़रवेटिव आलोचकों ने उन पर भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरूपयोग के आरोप लगाए। उन पर सिद्धांतहीन होने और राजवंश को ज़रूरी इज्ज़त न देने का आरोप भी लगा। यह भी कहा गया कि उनसे राजपरिवार की सत्ता को खतरा है।

तभी सेना ने दो बार तख्तापलट कर सत्ता कब्जाई। अदालतों ने बार-बार राजनीतिक दलों को भंग किया। कई नेताओं के राजनीति में भाग लेने पर पाबंदी लगा दी गई। लंबे समय तक बैंकाक की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन होते रहे। सेना की कार्यवाहियों में थाकसिन के 90 से अधिक समर्थक मारे गए।

थाकसिन को 2006 में हुए तख्तापलट में सेना ने सत्ता से हटाया। फिर वे कानूनी कार्यवाहियां से बचने के लिए 2008 में देश छोड़ बाहर जा बसे। लेकिन देश से बाहर रहने के बावजूद उनका प्रभाव बना रहा। सन् 2001 के बाद हुए हर चुनाव में उनसे जुड़ी पार्टियों ने सबसे ज्यादा सीटों पर जीत हासिल की - केवल इस साल हुए चुनाव को छोड़कर, जब लोकतंत्र समर्थक मूव फारवर्ड पार्टी ने सभी को चौंकाते हुए सबसे अधिक वोट हासिल किए। लेकिन जीत के बावजूद सेना की धांधली के चलते मूव फारवर्ड, सरकार नहीं बना सकी। काफी गतिरोध और अनिश्चितता के दौर के बाद 22 अगस्त को श्रेथा थाविसिन, जो प्रॉपर्टी के बड़े व्यवसायी और थाकसिन की फेऊ थाई पार्टी के उम्मीदवार थे, को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। सीधे शब्दों में सेना और थाकसेन की पार्टी के बीच 'साझा सर्वसम्मति' बनी ताकि नए दौर का प्रतिनिधित्व करने वाली मूव फारवर्ड पार्टी (हालांकि वह फिलहाल मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई है) को राजनीति और सत्ता से दूर रखा जा सके।

थाकसिन, जो पहले सत्ता प्रतिष्ठान के आलोचक थे, ने दो सबसे बड़े फौजी दलों से गठबंधन कर लिया है। उन्होंने ठीक वही किया है जिसे कभी न करने की कसम फेऊ थाई ने खाई थी। 22 अगस्त को ही - जिस दिन नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति की गई - थाकसिन ने 15 साल के निवार्सन के बाद थाईलैंड की भूमि पर कदम रखा। आते ही उन्होंने पहला काम सम्राट की प्रतिमा के सामने सर झुकाने का किया। उसके बाद उन्हें लंबे समय पहले लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया, जिसमें उन्हें आठ साल की जेल की सजा सुनाई जा चुकी है। लेकिन अनुमान है कि उन्हें शीघ्र ही सम्राट द्वारा क्षमादान दे दिया जाएगा। 78 वर्षीय थाकसिन का कहना है कि वे थाईलैंड इसलिए वापस आए हैं ताकि वे अपने नाती-पोतों के साथ रह सकें। लेकिन नई सरकार के गठन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका, उसके बाद उनका वापस आना, और 'सम्राट के क्षमादान' की अपेक्षा - इन सबसे उनकी राजनीति और सत्ता में वापसी के संकेत मिलते हैं।

हालांकि थाकसेन को आज भी पहले जितना समर्थन हासिल है, विशेषकर बुजुर्गों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों का - जो विमानतल पर भी देखा गया, किंतु ऐसे बहुत से लोग हैं जो उनकी अवसरवादिता से नाराज हैं। कुछ समर्थकों का कहना है कि वे समझते हैं कि पिछले तख्तापलट के बाद खड़ी की गई चुनावी बाधाओं से पार पाने के लिए पार्टी का यह करना जरूरी था। दूसरा मत यह है कि यह इस बात का संकेत है कि पार्टी ने अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को त्याग दिया है, और यह सवाल भी पूछा जा रहा है कि क्या यह कदम थाकसिन के वापस आने के लिए किए गए समझौते का एक हिस्सा है?

लेकिन लोगों को उनकी वापसी से बहुत उम्मीदें हैं। उनका आर्थिक समृद्धि हासिल करने का रिकार्ड है, इसलिए थाईयों को आशा है कि उनकी पार्टी सेना के चंगुल में नहीं फंसेगी और सोच-समझकर, बिना डरे अपने पूरे कार्यकाल तक सरकार चलाएगी। परन्तु एक समस्या यह है कि थाई लोगों के पास अब विकल्प है। मूव फारवर्ड ने युवाओं में काफी लोकप्रियता हासिल कर ली है और वह थाईलैंड का सबसे लोकप्रिय दल बन गया है। तभी देखना है कि थाकसेन की पार्टी, जो पहले सबसे लोकप्रिय थी, अपना पुराना समर्थन दुबारा हासिल कर पाएगी या नहीं। या फिर मूव फारवर्ड पार्टी अपने युवा प्रमुख के नेतृत्व में थाईयों के लिए एक नई आशा की किरण बनेगी। कुछ भी हो थाईलैंड की राजनीति, जो पहले अनिश्चिततापूर्ण थी, थाकसिन शिनात्रा की वापसी के अब दिलचस्प हो गई है क्योंकि पहले से बनी हुई विभाजन की स्थिति अब और अधिक विभाजित होने जा रही है।

भाजपा को जा रहा बसपा का वोट

मायावती का वोट सपा या कांग्रेस की बजाय भाजपा के साथ जाने का सिलसिला पिछले साल के उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में भी दिखा था। पिछला विधानसभा चुनाव बसपा ने बहुत बेमन से लड़ा था। मायावती ने बहुत कम प्रचार किया था और पहले दिन से यह मैसेज हो गया था कि वे लड़ाई में नहीं हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि चुनाव में बसपा को वोट का बहुत नुकसान हुआ और उसे सिर्फ एक विधानसभा सीट मिली। सो, मायावती को पता है कि अगर वे लोकसभा का चुनाव अकेले लड़ती हैं तो फिर 2014 वाली स्थिति हो सकती है। 2014 में तो उनको 20 फीसदी वोट मिल गए थे लेकिन इस बार अकेले लडने पर उनको पिछले साल विधानसभा चुनाव में मिले 1× फीसदी से भी कम वोट हो जाएंगे। तभी सवाल है कि क्या वे सचमुच अकेले लड़ेंगी या वोट ट्रांसफर वगैरह की बात करके उन्होंने संभावित सहयोगी पार्टियों को मैसेज दिया है? समाजवादी पार्टी फिर से सहयोगी हो सकती है क्योंकि दोनों को पता है कि इस बार लोकसभा चुनाव में पहले से खराब स्थिति हो सकती है। क्योंकि इस बार अयोध्या में राममंदिर के उद्घाटन के बाद चुनाव होना है। काशी कॉरिडोर बना है और ज्ञानवापी का विवाद चल रहा है। भाजपा ने हिंदुत्व की राजनीति की पकड़ मजबूत की है। योगी आदित्यनाथ की बुलडोजर कार्रवाई ने भी हिंदू मतदाताओं को एकजुट किया है। इसलिए सपा, बसपा और कांग्रेस तीनों के सामने तालमेल के सिवा कोई रास्ता नहीं है। इसलिए मायावती की बात का असर अगले कुछ दिन में देखने को मिलेगा। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.030

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 29 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नीतिगत अस्थिरता की मिसाल

निर्यात रोकने के बाद अब सरकार दो लाख टन अतिरिक्त प्याज खरीदेगी। यह खरीदारी निर्यात के आरंभिक भाव 2,410 प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। यह उचित फैसला है। लेकिन सरकार को इस बारे में एक स्थायी नीति बनानी चाहिए।

अचानक आयात या निर्यात को रोक देना नरेंद्र मोदी सरकार की खास पहचान बन चुकी है। फैसले चौंकाने वाले अंदाज में लिए जाते हैं, जिससे प्रभावित होने वाले तबकों को किसी पूर्व तैयारी का मौका नहीं मिलता। ऐसी मिसाल हाल में एक तरफ कंप्यूटर और उससे संबंधित उपकरणों का आयात रोकने के निर्णय के रूप में देखने को मिली, तो दूसरी तरफ अचानक चावल और फिर प्याज का निर्यात रोक दिया गया। ऐसे फैसलों से निर्यात श्रृंखला से जुड़े तमाम उत्पादकों और कारोबारियों के लिए अचानक जो मुसीबत खड़ी होती है और साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भरोसे का जो संकट खड़ा होता है, वर्तमान सरकार उसकी परवाह नहीं करती। मगर इस बार प्याज के मामले में फैसला होते ही प्याज किसान सडकों पर उतर आए। चुनाव के गरमाते सीजन में किसानों के इस गुस्से से सत्ताधारी दल में आशंकाएं पैदा हुईं। तो अब वाणि'य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने किसानों को भरोसा दिया है कि उनके नुकसान की भरपाई की कोशिश में सरकार दो लाख टन अतिरिक्त प्याज खरीदेगी। यह खरीदारी निर्यात के

आरंभिक भाव 2,410 प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। यह उचित फैसला है। असल में सरकार को इस बारे में एक स्थायी नीति बनानी चाहिए। नौ साल पहले जब मोदी सरकार सत्ता में आई थी, तब एक मूल्य स्थिरता (प्राइस स्टैबलाइजेशन) कोष बनाने का इरादा जताया गया था। उसका मकसद बाजारों में उस कोष के जरिए हस्तक्षेप कर जरूरी चीजों की कीमतों को स्थिरता देना बताया गया था। लेकिन बाद में उस बात को भुला दिया गया। इसके विपरीत विभिन्न क्षेत्रों में मोनोपोली कायम करने वाले कदमों को बढ़ावा दिया गया। यह अनेक अध्ययनों का निष्कर्ष है कि आज के दौर की महंगाई मोनोपोली और विक्रेताओं के लगातार मुनाफा बढ़ने के प्रयासों का नतीजा है। इसकी कीमत आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ कृषि जैसे क्षेत्र में उत्पादकों यानी किसानों को भी चुकानी पड़ रही है। किसानों का सवाल वाजिब है कि जब कीमतें बढने के कारण उन्हें लाभ होने की स्थिति होती है, तो सरकार इसमें ब्रेक क्यों लगा देती है? सरकार को इस प्रश्न का जवाब देना चाहिए।(आरएनएस)

मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी का ट्रेलर अब आ गया है!

मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी का बहुप्रतीक्षित नाटकीय ट्रेलर आखिरकार ऑनलाइन मंच पर पहुंच गया है, जिसमें कुशल अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी और होनहार प्रतिभा नवीन पॉलीशेट्टी की आकर्षक जोड़ी को पेश किया गया है। महेश बाबू पी द्वारा निर्देशित, यह रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा अपार संभावनाएं रखता है।

ट्रेलर में, नवीन पॉलीशेट्टी एक स्टैंड-अप कॉमेडियन सिद्धू की भूमिका निभाते हैं, जबकि अनुष्का शेट्टी एक कुशल मास्टर शेफ अन्विता के रूप में चमकती हैं। अन्विता का सिद्धू को अपरंपरागत प्रस्ताव, जिसमें बिना शादी के माता-पिता बनने का सुझाव दिया गया है, उसे परेशान कर देता है। जैसे-जैसे कहानी अपने दिलचस्प आधार के साथ सामने आती है, यह बड़े पर्दे पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने का वादा करती है। एक महत्वपूर्ण अंतराल के बाद अनुष्का शेट्टी की वापसी नया उत्साह लाती है, और नवीन पॉलीशेट्टी की हास्य शैली चमकती है। फिल्म में प्रभावशाली सहायक कलाकार हैं, जिनमें मुरली शर्मा, तुलसी, जयसुधा, भद्रम, नासर, अभिनव गोमतम और अन्य शामिल हैं, जो इस यूवी प्रोडक्शंस उद्यम में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। राधन की मधुर धुनों के साथ, मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी 7 सितंबर, 2023 को तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देने के लिए तैयार है।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में महिला आयोग की अध्यक्ष ने एसपी को दिये जल्द कार्यवाही के निर्देश

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में धारकुड़ी से बेहद ही शर्मसार कर देने वाली घटना मानसिक रूप से कमजोर युवती से सामूहिक दुष्कर्म' के मामले की खबर पर उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने स्वत: संज्ञान लेते हुए एसपी रुद्रप्रयाग से वार्ता की और घटना में शीघ्रता से कार्यवाही किये जाने, सभी आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए व उनके विरुद्ध कड़ी दंडात्मक

कार्यवाही के लिए निर्देशित किया है। महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने इस तरह की घटना होना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। जिसपर एसपी रुद्रप्रयाग ने बताया कि यह प्रकरण रेवेन्यू क्षेत्र से शुक्रवार को रेगुलर पुलिस के पास ट्रांसफर कर दिया गया है तथा इस मामले में कार्यवाही शुरू कर दी गयी है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस गंभीरता से मामले में कार्यवाही कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने कहा कि यह बहुत ही निन्दनीय मामला है। ऐसी घटिया मानसिकता के लोगो को समाज मे रहने का बिल्कुल अधिकार नही है। यदि उन्होंने उस दिव्यांग युवती के साथ गलत किया है तो उन्हें जल्द कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। ऐसे लोगो के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी और पीड़िता को हर सम्भव मदद के साथ न्याय दिलाया जाएगा। वही आयोग की अध्यक्ष ने दो टूक कहा कि अगर किसी भी महिला को किसी भी स्तर पर प्रताड़ित किया जाता है तो महिला आयोग पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हर सम्भव कार्यवाही व प्रयास करेगा है, और आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएगा।

तीन दिन में डेंगू की रोकथाम नहीं हुई तो करेंगे निगम का घेराव:धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि डेंगू ने महामारी का रूप धारण कर लिया है अगर तीन दिन में इसपर नियंत्रण नहीं हुआ तो नगर निगम के अधिकारियों का घेराव किया जायेगा।

आज यहां शहर में डेंगू की अनियंत्रित स्थिति के लिए नगर निगम को उत्तरदायी ठहराते हुए महानगर कांग्रेस कमेटी देहरादून के कार्यकर्ताओं ने नगर निगम महानगर अध्यक्ष डॉ जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। गोगी ने कहा कि जगह जगह अधूरे पड़े निर्माण कार्यों, सड़कों और नालियों में जल भराव के बावत कई बार निगम को सचेत किया गया था, लेकिन समुचित कार्रवाई नहीं की गई। इससे डेंगू भयावह रूप ले चुका है। सरकारी अस्पतालों से कई गुना ज्यादा मरीज

निजी अस्पतालों में भर्ती हैं। दून और कोरोनेशन अस्पतालों में भी प्लेटलेट्स और दवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि डेंगू से शहर में जवान मौतें हो रही हैं। महानगर में डेंगू को महामारी के रूप में लेते हुए इससे निपटने को युद्धस्तर पर कार्रवाई की जाए। धस्माना ने कहा कि अगर तीन दिन में स्थिति नियंत्रण में न हुई तो महानगर के समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता निगम के अधिकारियों का घेराव करेंगे। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन रावत, प्रदेश महामंत्री मनीष नागपाल महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष उर्मिला थापा नेता प्रतिपक्ष डॉ विजेंद्र सिंह पार्षद मुनिक अहमद,रमेश कुमार मांगू, हरिमोहन भट्ट,अर्जुन सोनकर, इलियास अंसारी, जितेंद्र तनेजा, सचिन थापा, इतात खान, डॉ अरुण रतूड़ी, पूनम कंडारी, ट्विंकल अरोड़ा ,विजय भट्टराई, राजेश पुंडीर, अल्ताफ, प्रमोद गुप्ता, इकराम, सैयद जमाल, आलोक मेहता,हेमंत उप्रेती, विकास ठाकुर आदि उपस्थित थे।

बागेश्वर की बाजी किसके हाथ कल..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मतदान के बाद 8 सितंबर को मतगणना की जाएगी और इसी दिन 2 बजे तक पता चल जाएगा कि बागेश्वर का सिकंदर कौन बनता है। यह अलग बात है कि इस चुनाव में भाजपा व कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है भाजपा जहां उपचुनाव न हारने की रवायत को जारी रखना व कांग्रेस हार के मिथक को तोड़ने की उम्मीद लगाए बैठी है। जिसका फैसला कल बागेश्वर की जनता करेगी।

गे-सेक्स के शौकीनो को लूटने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गे-सेक्स के शौकीनों को लूटने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने तीन शातिरो को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के तीन साथी फरार है जिनकी तलाश की जा रही है।

जीआरपी हरिद्वार के एसपी अजय गणपति कुंभार ने बताया कि जीआरपी हरिद्वार पुलिस ने 'गे सेक्स' शौकीनों को शिकार बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में तीन लोग फरार है जिनकी तलाश जारी है। बताया कि यह गिरोह गे-सेक्स के शौकीनों को सुनसान जगह पर ले जाकर लूट की वारदात को अंजाम देता था। यह गिरोह अभी तक हरिद्वार में दो दर्जन से अधिक लडकों को अपना शिकार बना चुका है। लोक लाज के डर के कारण पीड़ित युवक पुलिस से भी शिकायत करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। पुलिस अब इन सभी पीड़ित लडको के बयान दर्ज करने की तैयारी कर रही है। बताया कि आरोपी गे और लेस्बियन समुदाय के लिए बने एक डेटिंग एप के जरिए इच्छुक युवाओं को फंसाते थे। बताया कि हरिद्वार में सक्रिय गिरोह ने ऐप के द्वारा बिहार के एक युवक को फंसाया फिर उसे हरिद्वार रेलवे स्टेशन से बैरागी कैंप की सुनसान जगह ले जाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया।

जीआरपी थाना प्रभारी अनुज सिंह द्वारा बताया गया कि इस मामले में विनीत कुमार कटारिया निवासी रावली महदूद, उत्तम कुमार निवासी सराय आशियाना होटल और रविकांत निवासी राम धाम कॉलोनी शिवालिक नगर को गिरफ्तार कर लिया गया है। लेकिन उनके अन्य साथी विनीत राणा निवासी मुज्जफरनगर, अर्जुन निवासी रावली महद और मोनू पाल निवासी सरायमहदूद फरार चल रहे है जिनकी तलाश में छापेमारी जारी है। बताया कि इनमें से मोनू लूट के मामले में पहले भी जेल जा चुका है।

श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज में किया गया वृक्षारोपण

संवाददाता

देहरादून। क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी द्वारा श्री गुरू राम राय इंटर कालेज सहसपुर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

आज यहां क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी द्वारा पछवादून के श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज, सहसपुर तथा थाना सहसपुर में बृहद वृक्षारोपण अभियान किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 100 से अधिक फलदार, छायादार तथा विभिन्न प्रकार के फूलो के वृक्षों का रोपण किया गया। लगाए गए वृक्षों मे आम,अशोका, पिलखन, बरगद, सिल्वर ओक, केसिया सामिया, कटहल, आंवला, नीम, अमरूद, नाशपाती, गुड़हल, आड़ू के वृक्ष शामिल किए गए। समिति द्वारा श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज, सहसपुर में बृहद वृक्षारोपण किया गया। स्कूल प्रधानाध्यापक सैनी

और उप प्रधानाध्यापक आलोक के निवेदन पर श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज, सहसपुर में वृक्षारोपण किया गया और स्कूल में लगभग 100 वृक्ष लगाए गए। समिति द्वारा विद्यालय के अध्यापकों को लगाए गए वृक्षों की देखभाल करने और उन्हें बचाने का प्रण दिलाया गया। अभी तक समिति द्वारा इस वृक्षारोपण सत्र में लगभग 800 से अधिक वृक्ष लगाए जा चुके हैं। विद्यालय प्रशासन ने भी लगाए गए वृक्षों की देखभाल करने और उन्हें बचाने का संकल्प लिया। इस वृक्षारोपण अभियान में समिति के अध्यक्ष राम कपूर, उपाध्यक्ष रंदीप अहलूवालिया, कोषाध्यक्ष शम्भू शुक्ला, सचिव जेपी किमोठी, संयोजक नितिन कुमार, मंजुला रावत, सोनिया, हर्षवर्धन जमलोकी, प्रदीप रावत, कुलजिंदर सिंह, गगन चावला, राजेश बाली, संदीप मेंहदीरत्ता, सनी कुमार, हृदय कपूर, सुंदर शुक्ला तथा श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज, सहसपुर के प्रधानाध्यापक सैनी , उप प्रधानाध्यापक आलोक तथा स्कूल का स्टाफ उपस्थित रहा।

विधानसभा सत्र के दौरान चार दिन रहेगा दून का यातायात डायवर्ड

संवाददाता

देहरादून। विधानसभा सत्र के दौरान पांच सितम्बर से आठ सितम्बर तक दून का यातायात डायवर्ड रहेगा इसलिए घर से निकलते समय रूट प्लान देखकर निकलें।

आज यहां एसएसपी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पांच सितम्बर से विधानसभा सत्र शुरू हो रहा है जिसके चलते दून का यातायात डायवर्ड रहेगा। विधानसभा-सत्र के दौरान धरना प्रदर्शन आदि के दृष्टिगत यातायात / कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु देहरादून के निम्न स्थलों पर बैरियर प्वाईंट निर्धारित किये गये है। जिसके तहत प्रगति विहार बैरियर, शास्त्रीनगर बैरियर, बाईपास बैरियर, डिफेंस कालोनी बैरियर,विधान सभा तिराहा बैरियर लगाये जायेंगे साथ ही सम्पूर्ण भारी वाहनों को कारगी चौक व डोईवाला से दूधली रोड की ओर डायवर्ट किया जायेगा। इसके अलावा रिस्पना क्षेत्र में यातायात का अधिक दबाव होने पर भारी वाहनों को आंशिक रुप से लालतप्पड़, हर्रावाला व नयागांव पर रोका जायेगा। पुलिस विभाग के अनुसार देहरादून से हरिद्वार, ऋषिकेश, टिहरी, चमोली जाने वाले वाहन नेहरू कॉलोनी फव्वारा चौक से पुलिया नम्बर 06 की ओर डायवर्ट किये जायेंगे तथा धर्मपुर चौक से आई.एस.बी.टी. की ओर जाने वाला यातायात माता मन्दिर रोड होते हुए पुरानी बाईपास चौकी से आईएसबीटी की ओर भेजा जायेगा। इसके अलावा मोहकमपुर की ओर से मसूरी जाने वाले वाहन जोगीवाला से रिंग रोड से लाडपुर से सहस्त्रधारा क्रासिंग से आईटी पार्क से मसूरी मार्ग की ओर भेजा जायेगा साथ ही मोहकमपुर की ओर से देहरादून शहर की ओर आने वाले वाहनो को विधानसभा तिराहा,रिस्पना,पुरानी बाई चौकी होते हुए धर्मपुर ईसी रोड़ की ओर भेजा जायेगा। पुलिस के अनुसार प्रत्येक सम्भावित जुलूस (अनुमति प्राप्त) केवल बन्नू स्कूल से प्रस्थान करेगा तथा इनके वाहन भी बन्नू स्कूल में पार्क किये जायेंगें तथा जुलूस के बन्नू-स्कूल से प्रगति विहार बैरियर की ओर प्रस्थान करने पर रिस्पना से देहरादून शहर की ओर आने वाले वाहनों को हरिद्वार बाईपास से पुरानी बाईपास चौकी की ओर भेजा जायेगा। यातायात दबाव होने की स्थिति में डोईवाला से देहरादून की ओर आने वाली सिटी बस को कैलाश अस्पताल से यूटर्न लेकर वापस डोईवाला को ओर भेजा जायेगा।

एक नजर

2024 में लडूंगी चुनाव, मुझे कोई किनारे नहीं लगा सकता: उमा भारती

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्ताधारी बीजेपी सत्ता में बने रहने के लिए पूरा जोर लगा रही है। इसी क्रम में पार्टी सरकार की नीतियों को जनता तक पहुंचाने के लिए जन आशीर्वाद यात्रा निकाल रही है। इस यात्रा में एमपी बीजेपी के तमाम नेताओं को बुलाया गया है। लेकिन मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी की वरिष्ठ नेता उमा भारती को श्जन आशीर्वाद यात्राश का निमंत्रण नहीं मिला। इसके बाद उमा भारती नाराज हो गईं। उन्होंने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि अगर आप (बीजेपी) उन नेताओं के वजूद को पीछे धकेल देंगे, जिनके दम पर पार्टी का वजूद खड़ा है, तो आप एक दिन खुद खत्म हो जाएंगे। उमा भारती से पूछा गया कि वे बैठकों में नजर नहीं आ रही हैं, रणनीतियों से दूर रह रही हैं क्या उमा भारती को दरकिनार किया गया, या खुद दूरी बनाए हुए हैं? इस पर उमा भारती ने कहा, मैंने 2019 में ही कहा था कि 2019 में चुनाव नहीं लडूंगी। मैं 27 साल की उम्र में पहली बार चुनाव लड़ी। 6 बार सांसद, 2 बार विधायक बनी। 11 साल केंद्र में मंत्री रहीं और मुख्यमंत्री भी रहीं। मैंने कहा था कि मुझे 5 साल का ब्रेक दे दो, गंगा का काम करूंगी। यात्रा करूंगी। लेकिन मैं 2024 का चुनाव जरूर लडूंगी। इसलिए मैंने खुद को किनारे नहीं लगाया। न कोई मुझे किनारे लगा सकता है। उमा भारती ने कहा, 2020 उपचुनाव के वक्त मुझे कोरोना हुआ था। मैं पूरी तरह से ठीक भी नहीं हुई थी, मुझसे गुहार लगाकर प्रचार करने के लिए कहा गया था। मैं प्रचार करने आई थी। हमारी सरकार बननी ही थी। लेकिन मेरे प्रचार से सीटों में जरूर इजाफा हुआ।

एयर हॉस्टेस की गला रेतकर हत्या

मुंबई। मुंबई में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां 23 वर्षीय एयर हॉस्टेस का शव बरामद होने से हड़कंप मच गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से महज दो किलोमीटर दूर एयर हॉस्टेस की गला रेतकर हत्या कर दी गई। महिला का शव उसकी बहन की दोस्त के फ्लैट पर बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि जब शव बरामद किया गया तो महिला की बहन और दोस्त दोनों शहर में नहीं थीं। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में ऐसा लगता है कि लड़की की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। मुंबई पुलिस के डीसीपी दत्ता नालावाड़े ने बताया कि पवई पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना एनजी हाउसिंग सोसाइटी की है, जहां 20-25 साल की एक लड़की का शव पाया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपी की धरपकड़ के लिए 4 टीमों का गठन किया गया है।

शाहरुख-सनी ने भुलायी 16 साल पुरानी दुश्मनी!

मुंबई। सनी देओल की फिल्म गदर 2 की सफलता ने इंडस्ट्री में खुशियों की बौछार ला दी है। सिर्फ प्रोफेशनल स्तर पर ही नहीं बल्कि पर्सनल स्तर पर भी सनी देओल के लिए पॉजिटिव चीजें देखने को मिल रही हैं। दरअसल गदर 2 की सक्सेस पार्टी में बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान पहुंचे थे। उनके साथ उनकी वाइफ गौरी खान भी पहुंची थी। बता दें कि सनी और शाहरुख के बीच 16 सालों तक मनमुटाव था। सनी और शाहरुख की पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड कर रही हैं। दरअसल सनी और शाहरुख के बीच मनमुटाव की शुरुआत साल 1993 में हुई थी जब दोनों सितारों ने फिल्म डर में काम किया था। शाहरुख इस फिल्म में नेगेटिव अवतार में थे। सनी देओल उस दौर में सुपरस्टार थे और उन्हें ये बात अखरी थी कि शाहरुख को इतनी ज्यादा अहमियत दी जा रही थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म के बाद शाहरुख और सनी देओल ने 16 सालों तक बात नहीं की थी। सनी ने एक बातचीत में कहा कि शाहरुख ने गदर 2 देख ली है। इससे पहले उन्होंने मुझे विश किया था और उन्होंने बताया था कि वे मेरी फिल्म को लेकर काफी खुशी महसूस कर रहे हैं। मैंने इसके बाद गौरी और उसके बेटे आर्यन खान से भी बात की थी। फिर वे तीनों मेरी फिल्म देखने के लिए गए थे। उन्होंने ये भी कहा कि कई बार मैंने भी उन्हें फोन मिलाया है और हमने कुछ मुद्दों को लेकर बातचीत की है। पहले जो हमारे बीच मुद्दे रहे हैं, उन्हें लेकर मैं कहना चाहूंगा कि टाइम सब कुछ हील कर देता है। सनी ने फिल्म डर को लेकर कहा था कि मेरा उस फिल्म के साथ सिर्फ एक मुद्दा था कि मुझे पता नहीं था कि विलेन को इस तरह ग्लोरिफाई किया जाएगा। मैं हमेशा खुले दिल से काम करता हूं लेकिन दुर्भाग्य से कई एक्टर्स स्टारडम पाने के लिए सच्चाई का रास्ता नहीं लेते हैं।

बागेश्वर उपचुनाव: 48 घंटों तक एग्जिट पोल प्रतिबंध: वी. षणमुगम

संवाददाता

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी षणमुगम ने निर्देश दिये हैं कि बागेश्वर उपचुनाव में पांच सितम्बर को सुबह सात बजे से सांय सात बजे तक किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल को पूर्णत: प्रतिबंधित किया जाता है।

आज यहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी षणमुगम ने जानकारी दी कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद बागेश्वर की 47-बागेश्वर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से उप निर्वाचन-2023 को दृष्टिगत रखते हुए एग्जिट पोल के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126क की उपधारा (1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत

निर्वाचन आयोग उक्त धारा की उप-धारा (2) के उपबधों के दृष्टिगत 5 सितम्बर 2023 को पूर्वान्ह सात बजे से अपरान्ह सात बजे के बीच की अवधि को ऐसी अवधि के रूप में अधिसूचित करता है जिसके दौरान उल्लेखित उप निर्वाचन के संदर्भ में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन करने तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम के प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से उसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध होगा। इसके अतिरिक्त यह भी स्पष्ट किया जाता है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 (1) (ख) के अधीन उपर्युक्त उप-निर्वाचन में संबंधित मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घंटों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबन्ध है।

पुलिस का लोगो लगी अनियंत्रित कार ने बुर्जुग को मारी टक्कर, मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। पुलिस का लोगो लगी अनियंत्रित कार ने देर रात एक बुर्जुग को टक्कर मार दी जिसके कारण बुर्जुग गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा उन्हे मृत घोषित कर दिया गया है।

घटना दूधली डोईवाला बाइपास रोड की है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम करीब 7:15 बजे नौका शराब की दुकान से महज 50 कदम आगे दूधली डोईवाला बायपास रोड पर एक बेकाबू स्विफ्ट कार ने बुजुर्ग दुकानदार को बुरी तरह टक्कर मार दी। जिसके बाद उक्त कार रोड का डिवाइड तोड़कर सुसवा नदी में जा गिरी।

हादसे में बुजुर्ग की दोनों टांगे बुरी तरह टूट गई और उनके सिर में भी गहरी चोट आई थीं। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों का जमावड़ा लग गया। इसके बाद पुलिस को सूचना देने के साथ ही 108 मौके पर पहुंची और बुजुर्ग को किसी तरह सिनर्जी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आज सुबह मिली जानकारी के अनुसार देर रात करीब 2:30 बजे बुजुर्ग ने अपने प्राण अस्पताल में त्याग दिए। इससे लोगों में जहां एक और ऐसे बेकाबू वाहन चलाने वाले लोगों के खिलाफ गुस्सा है तो वहीं पूरा परिवार बुजुर्ग की अचानक हादसे में मौत होने के कारण गमगीन है।

मृतक के भतीजे ने बताया कि टिहरी नंबर की यह स्विफ्ट कार जिस पर पीछे से पुलिस लिखा हुआ है, उसमें दो युवक सवार थे जो शराब के नशे में धुत थे। उन्होंने बताया कि रात में पुलिस ने एक युवक को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया था जबकि दूसरा युवक भागने में सफल रहा।

हंगामेदार रहेगा विधानसभा सत्र

विशेष संवाददाता

देहरादून। कल 5 दिसंबर से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। आज सत्र की तैयारी को लेकर दिनभर बैठकों का दौर जारी रहा। जहां कांग्रेस और भाजपा के विधायकों

❑विधानसभा अध्यक्ष ने की शांतिपूर्ण सत्र संचालन की अपील
❑विधानसभा सत्रा की कार्य योजना पर चर्चा
❑विपक्ष सरकार की घेराबंदी की रणनीति के लिए जुटा

की अलग-अलग बैठकों में रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ वहीं विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा भवन में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक बुलाकर सत्र की कार्यवाही की रूपरेखा तय की। शाम को उनके द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सभी मंत्री और विधायकों से सत्र की शांतिपूर्ण कार्रवाई संचालन की अपील की गई।

कल 5 सितंबर से शुरू होने वाले इस मानसून सत्र की अवधि कम रखे जाने से विपक्ष नाराज है। उनका कहना है कि सरकार ने जानबूझकर सत्र की अवधी इसलिए कम कर रखी है क्योंकि सरकार जनता के उन सवालों से बचना चाहती है जो विपक्ष सदन में उठाने वाला है। कल सत्र के पहला दिन शोक संवेदनाओं की औपचारिकता में बीत जाएगा अगले दिन सरकार अपने कुछ

विधेयक टेबल पर रखेगी और इसके बाद कृष्ण जन्माष्टमी की छुट्टी हो जाएगी तथा आठ को अंतरिम बजट को मंजूर कराकर सत्र का समापन कर दिया जाएगा।

विपक्ष का कहना है कि विपक्ष इस सत्र में सूबे की कानून व्यवस्था तथा आपदा से जुड़े और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली से जुड़े तमाम सवाल लाना चाहता है लेकिन सरकार ने सत्र का समय इतना कम रखा है कि जिससे विपक्ष को कुछ कहने का मौका ही न मिल सके। नेता विपक्ष का कहना है कि हम हर उस बात को पुरजोर तरीके से सभी के सामने सत्र में रखेंगे जो जनता के हितों से जुड़े हैं।

मोटरसाईकिल की टक्कर से एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात मोटरसाईकिल की चपेट में आकर एक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के पुत्र की तहरीर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुमानीवाला निवासी गिरीश चन्द उनियाल बाजार से पैदल घर की तरफ आ रहे थे जब वह घर से थोडी दूरी पर ही थे कि अज्ञात मोटरसाईकिल सवार ने उनको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिनको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।